11 जलभराव से टाउन पार्क बदहाल

12 डॉ. मालविका बंसल को किया सम्मानित

खबर संक्षेप

जिले में आज लगेंगे समाधान शिविर

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा आमजन की समस्याओं के जल्द समाधान के उद्देश्य से सोमवार को समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर जिला व उपमंडल स्तर पर पर लघु सचिवालय में आयोजित होगा व उपमंडल स्तर पर भी संबंधित एसडीएम समस्याएं सुनेंगे। समाधान शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी मौके पर मौजूद रहेंगे और लोगों की शिकायतों, मांगों व सुझावों को सुनते हुए प्राथमिकता के आधार पर निवारण सुनिश्चित करेंगे।

तीन स्थानों से वाहन चोरी, केस दर्ज

बहादुरगढ़। इलाके में वाहन चोरी के मामले नहीं थम रहे। अब तीन और लोगों ने पुलिस थाने में वाहन चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस को दी शिकायत में सांखोल के निवासी रवि ने कहा है कि उसने अपने घर के बाहर थ्री व्हीलर खड़ा किया था। रात को कोई चुरा ले गया। वहीं, बराही के निवासी मंजीत का कहना है कि उसने ब्रिगेडियर होशियार सिंह मेट्रो स्टेशन के निकट बाइक खड़ी की थी। फिर काम के सिलसिले में चला गया। वापस आया तो बाइक नहीं मिली। इसी तरह ओमेक्स के निवासी जितेंद्र की सेक्टर 16 में एक कंपनी के बाहर से बाइक चोरी हुई है।

सट्टा खाईवाली करता काबू, नकदी बरामद

बहादुरगढ़। स्थानीय पुलिस ने नजफगढ़ रोड स्थित चौगान माता चौक के निकट से एक युवक को सरेआम सट्टा खाईवाली करने के आरोप में काबू किया। आरोपी की पहचान विष्णु के रूप में हुई है। आरोपी के पास से सट्टा पर्चियां तथा 7260 रुपये बरामद हुए। आरोपी के खिलाफ सिटी थाने में केस दर्ज किया गया है।

प्रवासी महिला ने रेलवे ट्रैक पर दी जान

बहादुरगढ़। छोटूराम नगर के पास शनिवार की रात एक महिला ने ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही राजकीय रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर बहादुरगढ़ नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया। मृतका की पहचान 40 वर्षीय सोनी के रूप में हुई है। बिहार मूल की सोनी यहां छोटूराम नगर में रह रही थी। सोनी पिछले कुछ समय से पारिवारिक तनाव झेल रही थी। पुलिस के मुताबिक, उसकी बेटी ने कुछ समय पहले घरवालों की मर्जी के खिलाफ जाकर प्रेम विवाह कर लिया था। इस घटना से सोनी आहत हो गई थी और काफी समय से मानसिक दबाव में रहने लगी थी। हाल ही में सोनी की बेटी छोटूराम नगर में ही आकर रहने लगी थी।

रुपये मांगने पर चाकू मारकर घायल किया

बहादुरगढ़। पुराना कोर्ट परिसर में दो पक्षों में झगड़ा हो गया। झगड़े में एक पक्ष के तीन युवकों के सिर लोहे की रॉड से फोड़ दिए गए। एक युवक पर चाकू से भी प्रहार किए गए। मामला रुपयों के लेनदेन से जुड़ा हुआ है। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।वारदात छिकारा कॉलोनी के निवासी राकेश के साथ हुई है। राकेश का कहना है कि करीब छह महीने पहले महावीर पार्क के राहुल ने उससे डेढ़ लाख रुपये मांगे थे। हाल ही में मैंने उससे रुपये मांगे तो आरोपी ने मुझे पुराना कोर्ट परिसर में बुलाया। मैं अपने दोस्त सुमित और रितेश के साथ वहां चला गया। रात करीब 11 बजे राहुल अपने दो दोस्तों के संग आया। मैंने उससे रुपये मांगे तो उसने लोहे की रॉड से सिर पर वार किया। मेरे दोस्त बचाव करने लगे तो उन पर भी हमला किया गया। इतना ही नहीं, आरोपी ने मेरे पेट पर चाकू से वार किया।

मुंगेशपुर ड्रेन टूटने से हालात बिगड़े : नहीं घट रहा पानी, प्रशासन राहत पहुंचाने में जुटा

जलभराव पीड़ितों के लिए धर्मशाला और सामुदायिक केंद्रों में 15 राहत शिविर शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

मुंगेशपुर ड्रेन टूटने के बाद जलभराव से निपटने में सेना के सक्रिय सहयोग के बाद सिंचाई विभाग, एसडीआरएफ व नप की टीमों द्वारा तटबंधों को मजबूत करने का कार्य जारी है। दिल्ली की सीमा में मुंगेशपुर ड्रेन के बहाव में कुछ रूकावट आने के बाद स्थानीय अधिकारियों ने दिल्ली के अधिकारियों के साथ चर्चा की। समन्वय के साथ प्रयास किए जा रहे हैं कि मुंगेशपुर ड्रेन में जलनिकासी पूरी क्षमता के साथ हो जाए। छोटूराम नगर व विवेकानंद नगर के असंख्य घरों में पानी भर गया है। प्रशासन ने इनके लिए राहत शिविर शुरू किए हुए हैं।

डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि शहर में 15 राहत शिविर बनाए गए हैं। एक दर्जन से ज्यादा धर्मशाला व सामुदायिक केंद्रों में राहत शिविरों की व्यवस्था कर दी गई है। नगर परिषद की टीमें जलभराव पीड़ितों की निरंतर मदद कर रही हैं। एसडीएम नसीब कुमार और नप के कार्यकारी अधिकारी अरुण नांदल सहित अन्य अधिकारी लगातार मौके पर डटे हैं। बीमारियों की रोकथाम के लिए मेडिकल टीमें अपना कार्य कर रही हैं। डीसी ने बताया कि झज्जर जिले में बरसात के कारण 97 गांवों की साढ़े 15 हजार एकड़ कृषि भूमि में जलभराव की रिपोर्ट प्राप्त हुई है। प्रभावित किसान 15 सितंबर तक क्षतिपूर्ति पोर्टल पर अपनी फसल खराबे की रिपोर्ट दर्ज करवाएं। आमजन आपात स्थिति में तुरंत जिला प्रशासन के हेल्पलाइन नंबर 01251-254270 और सिंचाई विभाग के बाढ़ नियंत्रण कक्ष के नंबर 01251-481707 पर सूचित करें।

बहादुरगढ़। ट्रैक्टर में बैठकर सुरक्षित स्थानों पर जाते लोग।

बहादुरगढ़। पानी में से पैदल निकलकर आते प्रवासी श्रमिक।

लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में जुटा प्रशासन

शहर में जलभराव क्षेत्रों से नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। एसडीएम नसीब कुमार ने बताया कि सेक्टर-2, सेक्टर-6, सेक्टर-9 के सामुदायिक केंद्रों, छोटूराम धर्मशाला, पंजाबी धर्मशाला, देवकरण धर्मशाला, दीनबंधु धर्मशाला, अग्रवाल धर्मशाला, माहेश्वरी धर्मशाला, लख्मीचंद धर्मशाला, चार नलकों वाली धर्मशाला, हनुमान मंदिर धर्मशाला, बंदा बैरागी धर्मशाला, नामदेव व अयोध्या प्रसाद धर्मशाला को राहत शिविर के रूप में चिह्नित किया गया है। यहां जलभराव के प्रभावित नागरिकों को आश्रय दिया जा रहा है। उनके अनुसार स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा एंटी लारवा दवा का छिडकाव किया जा रहा है। मेडिकल टीमों द्वारा छोटूराम नगर में डोर टू डोर विजिट की जा रही है। जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा टैंकरों के जरिए पेयजल आपूर्ति दी जा रही है।

विवेकानंद नगर में भरे पानी में उतरे विधायक

बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून रविवार को विवेकानंद नगर में पहुंचे और पानी में उतरकर जलभराव का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से जलनिकासी संबंधों पर चर्चा की। लोगों की समस्याएं सुनीं और जल्द राहत दिलवाने का आश्वासन दिया। बता दें कि मुंगेशपुर ड्रेन टूटने के कारण छोटूराम नगर के साथ विवेकानंद नगर में जलभराव की स्थिति बन गई है। रविवार को विवेकानंद नगर में निरीक्षण के दौरान विधायक राजेश जून ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र में जलभराव की समस्या का तुरंत समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी नागरिक को इस संकट की घड़ी में परेशान नहीं होने दिया जाएगा। जून ने बताया कि शासन व प्रशासन मिलकर युद्धस्तर पर जलभराव से निपटने का प्रयास कर रहे हैं। क्षतिग्रस्त ड्रेन की मरम्मत का कार्य तेजी से जारी है। सीएम नायब सैनी के निर्देश पर डीसी और एसडीएम की निगरानी में जलभराव की समस्या को दूर किया जा रहा है। विधायक ने आश्वासन दिया कि क्षेत्रवासियों को बहुत जल्द राहत मिलेगी।

300 नई गाड़ियां पानी में डूबी : एमआईई की कई फैक्ट्रियों में 4 से 5 फुट तक पानी भरा

बहादुरगढ़। एमआईई में बने स्टॉकयार्ड में भरे पानी में डूबी नई कारें।

मुंगेशपुर ड्रेन में कटाव बंद कर लौटी सेना की टीम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

मुंगेशपुर टूटने के बाद बने बाढ़ सरीखे हालात सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। रिहायशी क्षेत्र में लोगों का रहना मुश्किल हो गया है। वहीं औद्योगिक क्षेत्र की फैक्ट्रियों में काम बंद हो गया है। दिल्ली से सटे आधुनिक औद्योगिक संपदा (एमआईई) की कई फैक्ट्रियों में 4 से 5 फुट तक पानी भरा हुआ है। मुंगेशपुर ड्रेन में जिस कटाव को रोकने की जिम्मेदारी भारतीय सेना को सौंपी गई थी, वो कटाव बंद कर सेना के जवान वापिस लौट गए हैं। लेकिन ड्रेन में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिस कारण सेक्टर-9 बाइपास के नजदीक भी ड्रेन में कटाव शुरू हो गया है। जिन्हे बंद करने के लिए एसडीआरएफ, नगर परिषद और सिंचाई विभाग की टीमें लगी हुई हैं।

पानी में डूबी गाड़ियों के एयरबैग खुले बज रहे साइरन

जलभराव के बाद से ही एमआईई में बने मारूति के स्टॉकयार्ड में खड़ी करीब 300 गाड़ियां पानी में डूबी हुई हैं। उन्हें किसी भी तरह निकालना तक मुश्किल है। सात दिनों से आल्टो से लेकर वैगनआर, विटारा, बेजा और इन्विकटो आदि गाड़ियां पानी में डूबी हुई है। कई गाड़यिों के एयरबैग तक खुल गए हैं। नई नवेली गाड़ियों के बोनट से उपर तक पानी भरा हुआ है। जलभराव के बाद सभी गाड़ियों डूब चुकी थी और गाड़ियों के सायरन बज रहे थे। फैक्ट्रियां भी बंद हैं और वहां कार्यरत श्रमिकों के पास कोई काम नही है।

अंतर राज्यीय नशा तस्कर गिरोह का सरगना गिरफ्तार, सूरजमुख पर दर्ज हैं दस मामले

झज्जर। सीआईए की एक टीम द्वारा अंतर राज्यीय नशा तस्कर गिरोह के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। सीआईए प्रभारी इंस्पेक्टर विवेक मलिक ने बताया एएसआई मुकेश कुमार की टीम द्वारा आरोपी सूरजमुख को पंजाब से पकड़ा गया है। प्राथमिक जांच में सामने आया कि आरोपी पर पहले भी कई आपराधिक मामलें दर्ज है। जिनमें से चार मामलें बिहार में, चार मामलें गुजरात में एक मामला पटियाला और एक यमुनानगर में दर्ज हैं। कई आपराधिक मामलों में आरोपी को माननीय अदालत द्वारा पीओ घोषित किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी को तीन सितंबर को माननीय अदालत में पेश करके पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर लिया गया था। पूछताछ के दौरान जिस व्यक्ति ने वारदात में प्रयोग ट्रक बेचा था उसे भी गिरफ्तार किया गया है। इस व्यक्ति ने पंजाब में ट्रक की बॉडी बनाने का वर्कशॉप कर रखा है। जिसने ट्रक का चेसिस नंबर बदलकर यह गाड़ी आरोपी को बेची थी। जिसकी पहचान सुरेश के रूप में की गई।

- आरोपी पर बिहार, गुजरात, पंजाब और यमुनानगर में कई केस दर्ज है

सीआईए की बड़ी कामयाबी : पुलिस की टीम ने आरोपी को पंजाब से दबोचा

झज्जर। पकड़ा गया आरोपी पुलिस टीम के साथ।

शहर के सेक्टर छह और इस्सरहेड़ी में दो घरों में चोरी, नकदी व जेवर ले गए

घर के पीछे का जाल तोड़कर अंदर घुसे चोर, सारा सामान बिखारा मिला

बहादुरगढ़। शहर के सेक्टर-6 में स्थित एक मकान में चोरी की वारदात हो गई। अज्ञात चोर मकान में घुसे और घरेलू सामान, आभूषण तथा जरूरी दस्तावेजों को चुरा ले गए। इतना ही नहीं, मकान व गाड़ी को भी नुकसान पहुंचाया गया है। मकान मालिक की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता का कहना है कि वह रोहतक पीजीआई में पढ़ाई कर रहा है। पिछले करीब एक साल से मकान में कोई नहीं रहता। पीछे से मकान बंद ही रहता है। गत पांच सितंबर को वह घर पर आए तो देखा कि ताले को काटने की कोशिश की गई थी। ताले के अंदर पत्ती भी घुसी हुई थी। ताला नहीं खुला तो वह पीछे के रास्ते से मकान में घुसे। अंदर देखा तो लोहे के जाल तोड़कर हटाए हुए थे। अंदर तमाम कमरों में सामान बिखरा पड़ा था।

इस्सरहेड़ी में वारदात से हड़कंप

बहादुरगढ़। गांव इस्सरहेड़ी स्थित दो मकानों में चोरी की वारदात हो गई। अज्ञात चोर ताले तोड़कर मकान में घुसे और हजारों रुपये तथा आभूषणों पर हाथ साफ कर गए। पुलिस को दी शिकायत में जयशंकर ने कहा है कि वह और उसकी पत्नी नांगलोई में ड्यूटी पर गए थे। वहीं, बेटा कैर मोड़ पर पढ़ने गया हुआ था। रात करीब आठ बजे हम लौटे तो मकान के मेन गेट का ताला टूटा हुआ था। जांच करने पर स्लैप पर रखा लोहे का बक्सा खुला मिला। जिसमें से 40 हजार रुपये की नकदी, सोने का मंगलसूत्र, चांदी की पायल व चेन आदि आभूषण नहीं थी। इसके बाद अपने स्तर पर जांच की और आसपड़ोस में पूछताछ की। इस दौरान पता चला कि मेरे मकान के पीछे रह रहे प्रमोद के मकान में भी ताला तोड़कर वारदात हुई है।

एसटीएफ बहादुरगढ़ की बड़ी कार्रवाई : छह आरोपियों को जेल भेजा, एक रिमांड पर

ब्रिटेन बेस्ड गैंगस्टर नंदू से जुड़े 5 बदमाश दबोचे सरपंच प्रतिनिधि और जेल वार्डन भी शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

एसटीएफ बहादुरगढ़ ने ब्रिटेन में बैठे कुख्यात गैंगस्टर नंदू के नेटवर्क पर बड़ा प्रहार किया है। टीम ने नंदू से जुड़े पांच बदमाशों सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें भापडोदा के सरपंच प्रतिनिधि प्रमोद और मंडोली जेल का वार्डन भी शामिल है। छह आरोपियों को जेल भेज दिया गया है, जबकि एक बदमाश अंकित कैर से रिमांड के दौरान पूछताछ चल रही है।

ऐसे खुली गैंग की परतें

कुछ दिन पहले सीआईए-2 बहादुरगढ़ ने नजफगढ़ निवासी दीपक गट्टू को अवैध हथियार सहित पकड़ा था। पूछताछ में गट्टू का लिंक सीधे नंदू से मिला। मामला गंभीर था, इसलिए केस एसटीएफ के पास आया। इंस्पेक्टर राकेश कुमार की अगुवाई में गहरी पड़ताल हुई तो बड़ा जाल सामने आया। दीपक ने कबूला कि नंदू के जरिए उसके पास चार हथियार आए थे, जिनमें से तीन अब भी अंकित कैर के पास हैं। जांच में सामने आया कि दीपक और उसके साथी योगेंद्र (नजफगढ़), विकास (मित्राऊ), जयबीर (जटखेड़ी) नंदू के लिए काम करते हैं और उसकी धमकी के दम पर दिल्ली बॉर्डर से लगे शराब ठेके चला रहे थे।

जेल तक चलता था नेटवर्क

नंदू का भाई ज्योति और उसका साथी अमित गुलिया मंडोली जेल में बंद हैं। वहीं जेल वार्डन मुकेश तंवर भी इस गैंग का हिस्सा निकला। वह नंदू के इशारे पर ज्योति और अन्य बदमाशों तक कपड़े व सामान पहुंचाता था। टीम ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया। जिस कार से हथियार और सामान सप्लाई होते थे, वह भी जयबीर के पास से जब्त हुई।

सरपंच प्रतिनिधि की काली करतूत : जांच में बड़ा खुलासा यह हुआ कि आरोपियों को ठेके दिलाने में भापडोदा के सरपंच प्रतिनिधि प्रमोद की बड़ी भूमिका रही। प्रमोद की रिश्तेदारी आरोपी योगेंद्र से है। उसने ठेके दिलवाने के एवज में साढ़े दस लाख रुपये लिए थे। पुलिस ने प्रमोद को गिरफ्तार कर उसके पास से यह रकम बरामद कर ली।

ठेकों से होने वाली कमाई से हथियार खरीद कर गैंग को मजबूत करते थे

रविवार को एसटीएफ ने जेल वार्डन मुकेश, सरपंच प्रतिनिधि प्रमोद, योगेंद्र, जयबीर और विकास को जेल भेज दिया। दीपक गट्टू पहले ही जेल जा चुका है। जबकि अंकित कैर मंगलवार तक पुलिस की हिरासत में है। रिमांड अवधि में उससे अहम खुलासों की संभावना है। बता दें कि पूर्व विधायक नफे सिंह राठी हत्याकांड को अंजाम देने में भी नन्दू गैंग का नाम सामने आया था। बहादुरगढ़ एसटीएफ प्रभारी राकेश कुमार के मुताबिक, पकड़े गए सभी आरोपी नंदू के लिए काम करते थे। ठेकों से होने वाली कमाई से हथियार खरीदे जाते और गैंग को मजबूत किया जाता। मामले में जांच चल रही है। अंकित कैर से फिलहाल पूछताछ की जा रही है।

परीक्षा के दिनों मेट्रो सुबह पांच बजे चलाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

आगामी 12 से 26 सितंबर तक होने वाली एसएससी और इंटेलीजेंस ब्यूरो की परीक्षाएं इलाके के अभ्यर्थियों के लिए चिंता का कारण बन गई हैं। झज्जर, रोहतक और बहादुरगढ़ से जुड़े हजारों उम्मीदवारों को दिल्ली और नोएडा के दूरदराज केंद्र आवंटित किए गए हैं। परीक्षा में शामिल होने के लिए छात्रों को सुबह सात बजे तक केंद्र पर रिपोर्ट करना अनिवार्य है। समस्या यह है कि बहादुरगढ़ से दिल्ली की ओर पहली मेट्रो ट्रेन सुबह छह बजे चलती है। जबकि जाम व भीड़भाड़ आदि के चलते पब्लिक ट्रांसपोर्ट तथा निजी वाहनों से जाने में भी समय लग जाता है। इन हालातों में सुबह के वक्त समय पर पहुंचना चुनौती है। छात्र और अभिभावक इस स्थिति से परेशान हैं। आशंका जता रहे हैं कि देर होने पर उनका पेपर छूट सकता है। इस मुश्किल को देखते हुए कुछ जागरूक लोगों ने डीएमआरसी के एक्स हैंडल पर गुहार लगाई है। सतपाल हाड़ा का कहना है कि परीक्षा अवधि यानी 12 से 26 सितंबर तक बहादुरगढ़ से मेट्रो संचालन का समय सुबह पांच बजे कर दिया जाए। यदि ऐसा होता है तो हजारों विद्यार्थियों को राहत मिलेगी और वे बिना तनाव के अपने परीक्षा केंद्र तक पहुंच सकेंगे। यह कदम उनके करियर और भविष्य दोनों के लिए बेहद मददगार साबित होगा।

समुद्र मे गहरा गोता लगाने के लिए मगरमच्छ कभी-कभी भारी पत्थर भी निगल लेता है।

उल्लू अपनी गर्दन घुमाकर पीछे की ओर भी देख सकता है। इसकी नजर मनुष्य से सौ गुना तेज होती है।

भविष्य कंप्यूटर का, टीचर बनकर चमकाएं करियर

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

कंप्यूटर हमारे समय की मांग है, चाहे वह समय आज का हो या आने वाला कल दोनों में ही कंप्यूटर की बहुत बड़ी जरूरत है। एक अच्छी कंप्यूटर योग्यता हासिल करने के बाद आप स्कूल या कॉलेज में कंप्यूटर टीचर के पद पर नियुक्ति पा सकते हो। और वह कंप्यूटर टीचर की नौकरी प्राइवेट या सरकारी दोनों ही मिल सकती है। अगर आप भी कंप्यूटर टीचर बनने के बारे में सोच रहे हैं तो पहले आपको यह सोचना होगा कि आपको कंप्यूटर योग्यता के लिए किस टाइप की डिग्री प्राप्त करनी है। यह सब आपको 10वीं करने के तुरंत बाद ही तय करना पड़ेगा ताकि आप सही समय पर सही फैंसला ले सकें।

बहुत ज्यादा नौकरियां

विभिन सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों पर कंप्यूटर के कार्यों पर नौकरी निकलती रहती है अगर आपके पास उच्च कंप्यूटर योगयता है तो आप इन पर समय समय पर अप्लाई कर सकते है। उनकी शर्तों को पूरा करते हुए आप इन पदों पर सलेक्ट भी होते हैं। अगर आपके पास कोई कंप्यूटर संबंधित कोर्स किया हुआ है तो आपकी सिलेक्शन के चांस बढ़ जाते हैं। इस लेख में आगे हम आप को कुछ कंप्यूटर कोर्सेज की लिस्ट देंगे और यह भी बताएंगे के कंप्यूटर कोर्स कैसे करें। आज का दौर ऑनलाइन का है और आज कल बहुत से कक्षाओं में ऑनलाइन पढाई होती है और वह ऑनलाइन क्लासेज का पूरा मैनेजमेंट कंप्यूटर टीचर के हाथ में ही होता है। स्कूल में कंप्यूटर टीचर की जरुरत तो हर हालत में होती ही है और उच्च शैक्षिक योगयता हासिल करके आप इन पदों के लिए सक्षम हो सकते हैं। आप कंप्यूटर टीचर से संबंधित कुछ कोर्स करने के बाद कंप्यूटर टीचर के पदों पर अप्लाई कर सकते हैं। कंप्यूटर टीचर कैसे बने इस टर्म को समझने के लिए आप को कंप्यूटर टीचर से जुडी सभी बातों को जानना आवश्यक होता है।

ये योग्यताएं जरूरी

किसी भी स्कूल या संस्थान में विषय-विशेष की फैकल्टी भर्ती करने के लिए विशेष मानक होते हैं। यदि कोई व्यक्ति कम्प्यूटर टीचर बनना चाहता है तो उसके पास आवश्यक शैक्षणिक योग्यताएं होना जरूरी है। जो इस प्रकार हो सकती हैं।

- स्कूल स्ततर में कम्प्यूटर टीचर हेतु क्रमशः बीसीए अथवा पीजीडीसीए डिग्री होनी चाहिए या किसी प्रसिद्ध कम्प्यूटर इंस्टीट्यूट से कम्प्यूटर शिक्षा में डिप्लोमा हो।
- कॉलेज में स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को कम्प्यूटर सबजेक्ट पढ़ाना चाहते हैं तो इसके लिए आपके पास एमएससी डिग्री होना जरूरी है।

- सॉफ्टवेयर या हार्डवेयर जिस भी विषय में आप विशेषज्ञ है, उस विषय का फंडामेंटल नॉलेज होना जरूरी है।
- बतौर कम्प्यूटर टीचर आपके पास प्रोग्रामिंग कौशल है तो सोने पे सुहागा साबित होगा।
- विद्यार्थियों तक अपने विचार, जानकारी पहुंचाने का सहज और आकर्षण गुण आपके पास होना चाहिए।
- अपने विषय पर कमांड और उस क्षेत्र में हो रहे नवाचारों से भी अपडेट होना आवश्यक है।

इस तरह बन सकते हैं कंप्यूटर टीचर

- कम्प्यूटर विषय से ग्रेजुएशन करने के बाद देश के प्रसिद्ध कॉलेज में पढ़ाने के लिए आपको एग्जाम देने होते हैं। जिसके बाद ही आप कम्प्यूटर टीचर बन पाते हैं। निम्नलिखित क्राइटेरिया को पूरा करके आप कम्प्यूटर टीचर बन सकते हैं।
- अगर, आप किसी कॉलेज में लेक्चरर बनना चाहते हैं तो आपको नेट एग्जाम क्लियर करना पड़ेगा।
- दूसरी ओर किसी स्कूल में कम्प्यूटर टीचिंग करना चाहते हैं तो टीचर इलीजिबिलिटी टेस्ट या फिर कई सारे विद्यालयों द्वारा टीचर्स की भर्ती के लिए बनाए गए मापदंड़ों को पूरा करना पड़ सकता है।
- अगर, आप एक सरकारी कम्प्यूटर टीचर बनना चाहते हैं और किसी गवर्नमेंट कॉलेज में पढ़ाना चाहते हैं तो इसके लिए पहले आपको यूजीसी अथवा सीएसआईआर-नेट क्वालीफाइड सर्टिफिकेट की परिक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ती हैं।

आने वाला भविष्य कंप्यूटर आधारित, इसका नॉलेज आपको रखेगा आगे

अगर, अभी भी आपके मन में शंका है कि आगे आने वाले समय में कम्प्यूटर का भविष्य क्या होगा। तो बता दें पिछले एक दशक से लगातार भारत देश में कम्प्यूटर शिक्षकों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। क्योंकि, कम्प्यूटर की उपयोगिता और वर्तमान समय में इसके लाभ को देखते हुए बचपन से ही छात्रों को कम्प्यूटर सीखने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। यदि आपको इस फील्ड में अच्छा नॉलेज और अनुभव है तो आप इसमें एक शानदार करियर देख सकते हैं. और कम्प्यूटर टीचर बनने की तैयारी अभी से शुरु कर सकते हैं। हम डिजिटल दुनिया में जी रहे हैं जहां सारी दुनिया एक-दूसरे से कनेक्टेड है। आज गांव के कोने में बैठा एक व्यक्ति की वीडियो देश-विदेशों में देखी जा रही है। अगर, आपके पास भी कम्प्यूटर टीचिंग का ज्ञान है जिससे आप दूसरों की सहायता कर सकें तो पैसे कमाने में ज्यादा दिक्कत नहीं आएगी। यूटयूब जैसे अनेक ऐसे प्लैटफॉर्म है, जहां पर आप अपने टीचिंग का हुनर दिखाकर स्कूल या कॉलेज टीचर की भांति ही अच्छी कमाई कर सकते हैं। आप बतौर कम्प्यूटर टीचर डेटा विश्लेषक का कार्य भी कर सकते हैं। डेटा एनालिटिस्ट वह व्यक्ति होता है जो डेटा को रॉ फॉर्म में प्राप्त कर उसे प्रोसेस कर समझने योग्य सूचना बनाता है।

12वीं पास करने के बाद बीए तीन साल की एक स्नातक डिग्री

बीए के बाद करियर : सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में मिलते हैं बेहतरीन अवसर

डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

सामाजिक विज्ञान व भाषाओं की देती है गहरी समझ

अगर आपने सिर्फ बैचलर ऑफ आर्ट्स (बीए) किया है तो घबराएं नहीं। बीए करने के बाद भी आप अपने करियर को बेहरीन उड़ान दे सकते हैं। बीए तीन वर्षों की एक स्नातक डिग्री है, जो छात्रों को ह्यूमनिटीज, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं की गहरी समझ प्रदान करती है। इस कोर्स में विभिन्न विषयों का अध्ययन कराया जाता है जैसे हिंदी, अंग्रेज़ी, इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, दर्शनशास्त्र और जनसंचार। वहीं बी.ए. ऑनर्स पाठ्यक्रम किसी एक विषय में गहन और विशेषज्ञ अध्ययन प्रदान करता है। उदाहरण के लिए, छात्र अंग्रेज़ी साहित्य, हिंदी साहित्य, इतिहास, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, भूगोल, दर्शनशास्त्र या जनसंचार जैसे विषयों में ऑनर्स करके उस क्षेत्र में गहरी जानकारी और शोध क्षमता प्राप्त करते हैं। इन स्पेशलाइज़ेशन के आधार पर विद्यार्थी आगे चलकर कंटेंट राइटिंग, रिसर्च, शिक्षण, काउंसलिंग, प्रशासनिक सेवाओं, मीडिया, सामाजिक कार्य और कॉर्पोरेट क्षेत्रों में अलग-अलग करियर मार्ग चुन सकते हैं।

> **इस कोर्स में कई विषयों का अध्ययन करने में सक्षम होकर बनते हैं काबिल**

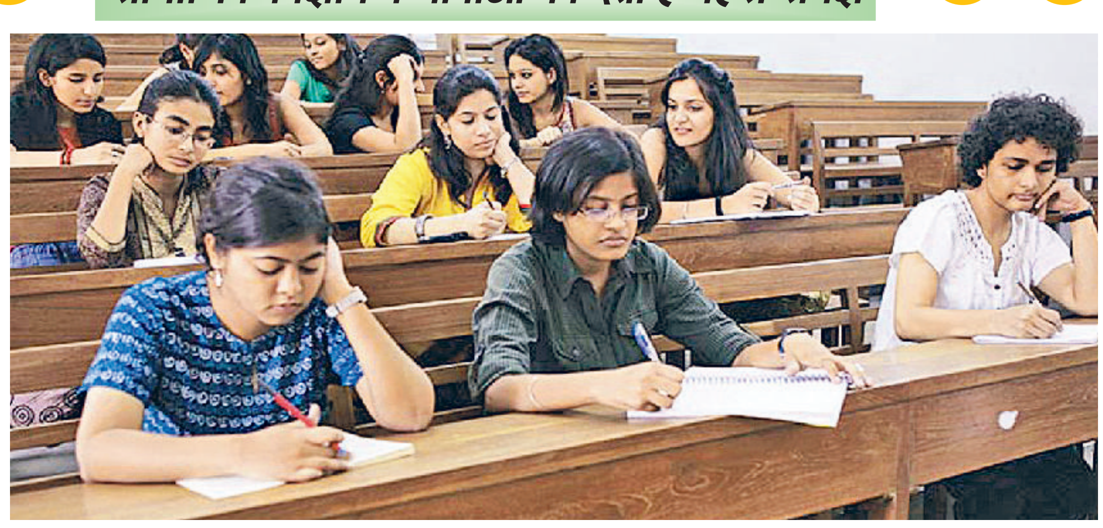

इंडस्ट्री स्किल्स की भूमिका : एक आवश्यक पूरक

बीए की शैक्षणिक पृष्ठभूमि छात्रों को विचार करने, अभिव्यक्ति और विश्लेषण क्षमता प्रदान करती है। लेकिन वर्तमान समय में केवल डिग्री पर्याप्त नहीं है। कंपनियां उन उम्मीदवारों को प्राथमिकता देती हैं जो अकादमिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक स्किल्स से भी लैस हों। चाहे पत्रकारिता हो, कंटेंट राइटिंग, प्रशासनिक सेवाएं या कॉर्पोरेट सेक्टर-हर जगह दक्षता की मांग है।

इंडस्ट्री के लिए आवश्यक कौशल

- प्रभावशाली लेखन और संवाद कौशल
- डिजिटल दक्षताः एमएस ऑफिस, कंटेंट मैनेजमेंट टूल्स
- डेटा रिसर्च और रिपोर्ट लेखन
- सार्वजनिक बोलने और प्रस्तुति कौशल
- आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान क्षमता
- पब्लिक रिलेशन एवं मीडिया हैंडलिंग स्किल्स

सरकारी क्षेत्र में करियर विकल्प

सरकारी क्षेत्र बीए डिग्रीधारकों के लिए आकर्षक और स्थिर अवसर प्रदान करता है। बैंकिंग, बीमा, रेलवे, डाक विभाग, रक्षा सेवाएं, राज्य लोक सेवा आयोग और संघ लोक सेवा आयोग में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में भर्तियां होती हैं। शुरुआती वेतनमान 30,000 से 45,000 मासिक तक हो सकता है, जबकि अनुभव और उच्च पद पर यह 80,000 से 1,20,000 तक पहुंच जाता है।

स्पेशलाइज़ेशन आधारित संभावित प्रोफाइल्स
- इतिहास/राजनीति विज्ञान/समाजशास्त्र
- सिविल सेवाओं में उच्च सफलता दर
- ग्राम विकास अधिकारी
- पंचायत सचिव
- लोकसभा/राज्यसभा रिसर्च फेलो

अर्थशास्त्र
- आर बी आई असिस्टेंट
- सांख्यिकी विभाग में सहायक
- इस इस सी में इकोनॉमिक इन्वेस्टिगेटर

मनोविज्ञान
- रक्षा सेवाओं में मनोवैज्ञानिक अधिकारी
- सामाजिक न्याय विभाग में काउंसलर
- पुलिस विभाग में रिक्रूटमेंट/ट्रेनिंग काउंसलर

भूगोल
- सर्वे ऑफ इंडिया में अधिकारी पद
- पर्यावरण एवं जलवायु विभाग में अनुसंधान सहायक
- आपदा प्रबंधन विभाग में सहायक पद

जनसंचार
- सरकारी सूचना सेवा
- प्रसार भारती में रिपोर्टर/प्रोड्यूसर
- राज्य सूचना विभाग में पब्लिक रिलेशन अफसर

रक्षा सेवाएं
- लेफ्टिनेंट
- आर्मी एजुकेशन कोर अफसर
- अकाउंट अफसर
- एडमिनिस्ट्रेटिव अफसर
- लोजिस्टिक्स सप्लाई अफसर
- टेरीटोरियल आर्मी अफसर

उच्च अध्ययन के विकल्प
- पाठ्यक्रम विवरण
- एम.ए. (स्पेशलाइजेशन अनुसार) उच्च शिक्षा व शोध हेतु आवश्यक
- एम.बी.ए. प्रबंधन और कॉर्पोरेट नेतृत्व भूमिकाओं हेतु
- बी.एड. शिक्षक बनने के लिए अनिवार्य
- एल.एल.बी. वकालत, कॉर्पोरेट लॉ, सिविल सेवाओं में सहायक
- मास कम्युनिकेशन/जर्नलिज़्म मीडिया, एंकरिंग, रिपोर्टिंग व पीआर में करियर
- समाजकार्य में मास्टर्स (एमएसडब्ल्यू) एनजीओ, पब्लिक हेल्थ व सामाजिक सेवा क्षेत्र हेतु
- मनोविज्ञान में पीजी/डिप्लोमा काउंसलिंग व क्लिनिकल मनोविज्ञान क्षेत्र हेतु

निजी क्षेत्र में करियर विकल्प

बीए डिग्रीधारकों के लिए निजी क्षेत्र में विविध क्षेत्रों में अवसर उपलब्ध हैं। मीडिया, शिक्षा, पब्लिक रिलेशन, कंटेंट राइटिंग, मानव संसाधन, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, काउंसलिंग, एडटेक और टूरिज़्म जैसे क्षेत्रों में रोजगार की अच्छी संभावनाएं हैं। शुरुआती वेतनमान 15,000 से 25,000 मासिक हो सकता है, वहीं अनुभव और विशेषज्ञता के साथ यह 40,000 से 70,000 तक पहुंच सकता है। निम्न लिखित निजी क्षेत्रों में आप अपना करियर बना सकते हैं।

मीडिया एवं जनसंचार
- रिपोर्टर/जर्नलिस्ट
- न्यूज़ एडिटर
- पब्लिक रिलेशन एग्जीक्यूटिव

कंटेंट एवं डिजिटल सेक्टर
- कंटेंट राइटर
- कॉपी एडिटर
- सोशल मीडिया कोऑर्डिनेटर
- एसईओ एग्जीक्यूटिव

शिक्षा एवं प्रशिक्षण
- टीचिंग असिस्टेंट
- ऑनलाइन ट्यूटर
- एजुकेशन काउंसलर

कॉरपोरेट एवं मानव संसाधन
- एचआर असिस्टेंट
- ट्रेनिंग कोऑर्डिनेटर
- एडमिन एग्जीक्यूटिव

पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र
- टूर गाइड
- ट्रैवल कंसल्टेंट
- हॉस्पिटैलिटी एग्जीक्यूटिव

स्पेशलाइज़ेशन आधारित संभावित प्रोफाइल्स
- अंग्रेजी/हिंदी साहित्य
- कंटेंट राइटर
- कॉपी एडिटर
- ट्रांसलेटर
- प्रकाशन सहायक

इतिहास/राजनीति विज्ञान/समाजशास्त्र
- रिसर्च असिस्टेंट
- पब्लिक पॉलिसी एनालिस्ट
- सोशल मीडिया कैम्पेनर
- एनजीओ कोऑर्डिनेटर

अर्थशास्त्र
- रिसर्च एनालिस्ट
- डेटा एंट्री एवं एम आई इस एग्जीक्यूटिव
- मार्केट सर्वे एग्जीक्यूटिव
- फाइनेंशियल कंसल्टिंग असिस्टेंट

मनोविज्ञान
- काउंसलर (स्कूल/कॉलेज)
- एचआर ट्रेनिंग असिस्टेंट
- बिहेवियरल एनालिस्ट
- करियर काउंसलर

भूगोल
- जी आई इस असिस्टेंट
- टूर एवं ट्रैवल कंसल्टेंट
- सर्वे रिसर्चर

दर्शनशास्त्र
- एथिक्स ट्रेनर
- शिक्षा व वैचारिक शोध सहायक

जनसंचार
- रिपोर्टर/जर्नलिस्ट
- पीआर एग्जीक्यूटिव
- डिजिटल मीडिया कोऑर्डिनेटर

स्किल्स विकसित करें छात्र

बीए केवल एक स्नातक डिग्री नहीं, बल्कि यह छात्रों को विभिन्न विषयों में विशेषज्ञता और करियर विकल्पों का विस्तृत मार्ग प्रदान करती है। यदि छात्र अपनी स्पेशलाइजेशन के अनुरूप स्किल्स विकसित करें और प्रतियोगी परीक्षाओं या उच्च अध्ययन के लिए प्रयास करें, तो वे निजी और सरकारी दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट भविष्य बना सकते हैं। अपने करियर का चुनाव करने से पहले किसी भी योग्य करियर सलाहकार से सलाह ज़रूर लें। अधिक जानकारी के लिए **www.careerjaano.com** पर भी विज़िट कर सकते हैं।

सपनों को हकीकत में बदलें : भारत की चुनौतियों में सकारात्मक बदलाव की राह

मोटिवेशनल
डॉ. दिव्या तंवर

भारत, एक ऐसा देश जो विविधता, संस्कृति और अवसरों का संगम है, लेकिन इसके साथ ही कई चुनौतियाँ भी हैं। बढ़ती जनसंख्या, आर्थिक असमानता, शिक्षा तक सीमित पहुंच, और सामाजिक दबाव जैसे हालात कभी-कभी हमारे सपनों को धूमिल कर सकते हैं। लेकिन, प्रिय छात्रों, ये चुनौतियाँ आपके सपनों को रोकने की ताकत नहीं रखतीं। आपमें वह शक्ति है जो इन कठिनाइयों को अवसरों में बदल सकती है। सपने वो बीज हैं, जो आपके मन में बोए जाते हैं। लेकिन उन्हें पनपने के लिए सही दिशा और मेहनत की जरूरत होती है। सबसे पहले अपने सपनों को स्पष्ट करें। आप क्या बनना चाहते हैं? क्या हासिल करना चाहते हैं? चाहे वह डॉक्टर, इंजीनियर, कलाकार, उद्यमी, या कुछ और बनने का सपना हो, उसे कागज पर लिखें।

चुनौतियों को हार का बहाना न बनने दें

भारत में कई बार सामाजिक या आर्थिक दबाव हमें अपने सपनों से भटका देते हैं। लेकिन याद रखें, आपका सपना आपकी ताकत है। उदाहरण के लिए, अगर आप एक छोटे शहर या गाँव से हैं, जहां संसाधनों की कमी है, तो यह आपके लिए रुकावट नहीं, बल्कि एक प्रेरणा होनी चाहिए कि आप उन सीमाओं को तोड़ सकते हैं।

चुनौतियों को अवसरों में बदलें : भारत में कई छात्र आर्थिक तंगी, संसाधनों की कमी, या परिवार के दबाव का सामना करते हैं। लेकिन इन चुनौतियों को हार का बहाना न बनने दें। हर मुश्किल एक सबक है। उदाहरण के लिए।

आर्थिक तंगीः अगर आपके पास कोचिंग या महंगे संसाधनों के लिए पैसे नहीं हैं, तो इंटरनेट का उपयोग करें। आज यूट्यूब, खान एकेडमी, और कई मुफ्त ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उपलब्ध हैं, जो आपको मुफ्त में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा दे सकते हैं।

सामाजिक दबावः अगर आपके परिवार या समाज को आपके सपनों पर भरोसा नहीं है, तो धैर्य और संवाद से उन्हें समझाएँ। अपनी मेहनत और छोटी-छोटी उपलब्धियों से उनके विश्वास को जीतें।

प्रतिस्पर्धाः भारत में प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा है, लेकिन यह आपको और मजबूत बनाती है। अपनी तुलना दूसरों से न करें; अपने लक्ष्य पर ध्यान दें और हर दिन बेहतर बनने की कोशिश करें।

सकारात्मक सोचः आपकी सबसे बड़ी ताकत सकारात्मक सोच वह जादू है, जो असंभव को संभव बनाती है। भारत जैसे देश में, जहाँ हर दिन नई चुनौतियाँ सामने आती हैं, सकारात्मक दृष्टिकोण आपको आगे बढ़ने की हिम्मत देता है। अपने मन से नकारात्मक विचारों को हटाएँ। अगर आप सोचते हैं कि "मैं यह नहीं कर सकता", तो उसे बदलकर कहें, "मैं कोशिश करूँगा और सीखूँगा।" प्रेरणा लें उन लोगों से, जिन्होंने भारत में कठिन परिस्थितियों में अपने सपनों को हासिल किया। जैसे किः

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलामः एक साधारण परिवार से निकलकर भारत के मिसाइल मैन और राष्ट्रपति बने। उनकी कहानी हमें सिखाती है कि मेहनत और लगन से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

धीरूभाई अंबानीः एक छोटे से गाँव से शुरूआत कर उन्होंने रिलायंस जैसी विशाल कंपनी बनाई। उनकी कहानी हमें बताती है कि सपने देखने की कोई सीमा नहीं होती।

छोटे कदम, बड़े परिणाम

सपनों को हासिल करने के लिए बड़े-बड़े कदमों की जरूरत नहीं होती। छोटे-छोटे कदम भी आपको मंजिल तक ले जा सकते हैं। अपने लक्ष्य को छोटे-छोटे हिस्सों में बाँटें। उदाहरण के लिए, अगर आप एक प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, तो हर दिन कुछ घंटे पढ़ाई के लिए निकालें। एक समय में एक विषय पर ध्यान दें। अपनी प्रगति को ट्रैक करें और हर छोटी उपलब्धि पर खुद को प्रोत्साहित करें।

शिक्षा और कौशलः आपके सपनों की नींवः भारत में शिक्षा और कौशल विकास आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। अगर आपके पास संसाधन सीमित हैं, तो सरकारी योजनाओं और स्कॉलरशिप का लाभ उठाएँ। साथ ही, आज के डिजिटल युग में तकनीकी कौशल सीखना बहुत जरूरी है। कोडिंग, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिसिस जैसे कौशल न केवल आपको नौकरी दिला सकते हैं, बल्कि आपके सपनों को नई उड़ान भी दे सकते हैं।

समुदाय और सहयोगः एक साथ मिलकर आगे बढ़ेंः अकेले चलना मुश्किल हो सकता है। अपने आसपास के दोस्तों, शिक्षकों, या मेंटर्स का सहारा लें। एक-दूसरे के साथ ज्ञान और प्रेरणा साझा करें। भारत में कई गैर-लाभकारी संगठन और समुदाय हैं, जो छात्रों को मुफ्त में मार्गदर्शन और संसाधन प्रदान करते हैं। इनका लाभ उठाएँ और अपने सपनों को और मजबूत करें।

सामान्य ज्ञान

1. हिंदी किस भाषा परिवार की भाषा है
(ए) भारोपीय (बी) द्रविड़
(सी) ऑस्ट्रिक (डी) चीनी-तिब्बती

2. भारत में सबसे अधिक बोले जाने वाली भाषा कौन सी है
(ए) हिंदी (बी) संस्कृत
(सी) तमिल (डी) उर्दू

3. हिंदी भाषा का जन्म हुआ है
(ए)अपभ्रंश (बी) लौकिक संस्क्रत
(सी)पालि-प्राकृत (डी) वैदिक संस्कृत

4. निम्न में से कौन सी बोली अथवा भाषा हिंदी के अंतगर्त नहीं आती है
(ए) कन्नौजी (बी) बांगरू
(सी) अवधी (डी) तेलुगु

5. हिंदी की विशिष्ट बोली ब्रजभाषा किस रूप में सबसे अधिक प्रसिद्ध है
(ए) राजभाषा (बी) तकनीकी भाषा
(सी) राष्ट्रभाषा (डी) काव्यभाषा

6. भारतवर्ष में हिंदी को आप किस वर्ग में रखेंगे
(ए) राजभाषा
(बी) राष्ट्र भाषा
(सी) विभाषा
(डी) तकनीकी भाषा

7. दूढाली बोली है
(ए) पश्चिमी राजस्थान की
(बी) पूर्वी राजस्थान की
(सी) दक्षिणी राजस्थान की
(डी) उतरी राजस्थान की

8. ब्रजबुली नाम से जानी जाती है
(ए) पंजाबी
(बी) मराठी
(सी) गुजराती
(डी) पुरानी बांग्ला

9. निम्न में से कौन सी भाषा देवनागरी लिपि में लिखी जाती है
(ए) गुजराती
(बी) उड़िया
(सी) मराठी
(डी) सिन्धी

10. एक मनई के दुई बेटवे रहिन। ओह माँ लहरा अपने बाप से कहिस - दादा धन मां जवन हमर बखरा लागत होय तवन हमका दै द। यह अवतरण हिंदी किस बोली में है
(ए) भोजपुरी
(बी) कन्नौजी
(सी) अवधी
(डी) खड़ी बोली

उत्तर 1.(ए) 2.(ए) 3.(ए) 4.(डी) 5.(डी) 6.(ए) 7.(बी) 8.(डी) 9.(सी) 10.(सी)

खबर संक्षेप

मंदिर परिसर में ही किया गणेश विसर्जन

रोहतक। सैनी पुरा में स्थित सीताराम शिव मंदिर में गणेश महोत्सव के दौरान अंतिम दिन गणपति बप्पा की प्रतिमा का विसर्जन परिसर में ही किया गया। पुजारी हरपाल शर्मा ने बताया कि नहरों को प्रदूषित होने से बचाने के लिए इस पहल की शुरूआत की गई। जिस पानी में विसर्जन किया गया है, उसी पानी को गमलों में प्रयोग किया गया।

जीएसटी के स्लैब बदलाव से होगा फायदा : ढाका

रोहतक। जीएसटी काउंसिल द्वारा जीएसटी के स्लैब में जो बदलाव किए गए हैं, उसे आम आदमी को फायदा होगा। जिला कार्यालय मंगलकमल में यह बात रखते हुए जिला अध्यक्ष एडवोकेट रणवीर ढाका ने कहा कि आम आदमी की पहुंच में महत्वपूर्ण चीजों तक बढ़ जाएगी। जीएसटी के इस बदलाव से न केवल वस्तुएं सस्ती होंगी वरन उनका उपयोग भी बढ़ेगा। जिससे आर्थिक चक्र में वृद्धि होगी और आम जनमानस को लाभ पहुंचेगा। अंतोदय की इस भावना से भाजपा भली भांति परिचित है, जो की अनेक आयोजनों के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास करती है। साथ ही यह भाजपा का संकल्प भी है।

ब्राह्मणवास की बहु रेखा ने नेट परीक्षा पास की

रोहतक। शिक्षा के क्षेत्र में रोहतक जिले ने एक और उपलब्धि हासिल की है। गांव ब्राह्मणवास निवासी बहु रेखा, पत्नी मितेश भारद्वाज ने यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन द्वारा आयोजित सीएसआईआर-नेट जून 2025 परीक्षा में शानदार सफलता अर्जित की है। रेखा ने गणित विषय में ऑल इंडिया 83वां रैंक प्राप्त किया है और जूनियर रिसर्च फेलोशिप क्वालीफाई कर जिले का नाम गौरवान्वित किया है। रेखा की इस सफलता से पूरे गांव और परिवार में खुशी का माहौल है। उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से यह साबित कर दिया की कोई भी लक्ष्य मुश्किल नहीं होता।

देख-रेख के अभाव में बदहाल होता जा रहा पार्क

टाऊन पार्क बदहाल, जलभराव से मच्छरों की भरमार, बढ़ी परेशानी

बच्चों के मनोरंजन के लिए बनाए गए झूलों व ओपन जिम के पास जलभराव के कारण फिसलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

निरंतर हो रही बरसात के कारण जहां शहर की बाहरी क्षेत्र में कालोनियों के लोग जलभराव की समस्या से जूझ रहे हैं वहीं शहर बीचों बीच स्थित टाउन पार्क भी देख-रेख के अभाव में बदहाल होता जा रहा है। पार्क में नियमित सैर को आने वाले राहुल, अनिल, अनुज भटनागर, विक्रम, विजेंद्र आदि ने बताया कि बरसाती पानी भरने के कारण पार्क की स्थिति भी बेहाल है। नप अधिकारी व कर्मचारी कालोनियों में भरे पानी की निकासी में व्यस्त हैं ऐसे में यहां साफ-सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। शाम होते ही यहां जलभराव के कारण पनपे मच्छरों की भरमार हो जाती है जिस कारण लोगों को बैठना या सैर करना दूभर हो जाता है। वहीं बच्चों के मनोरंजन के लिए बनाए गए झूलों व ओपन जिम के पास जलभराव के कारण फिसलन चुकी है। ऐसे में अभिभावक अपने बच्चों को झूलों से दूर ही रखते हैं। बच्चे भी बगैर झूलों के अपने अभिभावकों के साथ मायूस घूमते दिखाई देते हैं।

झज्जर। पार्क में झूलों के नीचे हुआ जलभराव। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। गोदाम के बाहर रखे मच्छरदानी के बंडल। फोटो :हरिभूमि

मच्छरदानी की बढ़ी डिमांड

झज्जर। बरसात के कारण हुए जलभराव से मक्खी-मच्छरों के पनपने से पशुपालकों को संक्रमण का भय सताने लगा है। इसी के चलते बाजार में पशुओं के लिए रेडिमेड मच्छरदानी की डिमांड भी बढ़ रही है। शहरी क्षेत्र के अलावा ग्रामीण इलाकों से लोग अपने पशुओं के बचाव के लिए मच्छरदानी खरीदने के लिए आ रहे हैं। शहर में भी दुकानों पर रंग-बिरंगी मच्छरदानियां विभिन्न साइजों में उपलब्ध है। लोगों का कहना है कि बरसात के बाद हुए जलभराव के कारण मक्खी-मच्छर अधिक हो गए हैं जिनकी वजह से पशुओं को खासी परेशानी आ रही है। बीमारी व घटते दूध स्तर की चिंता के कारण मच्छरदानियों की खरीददारी की जा रही है। दुकानदारों ने बताया कि उनके पास एक छोटे कमरे के आकार से लेकर बड़े-बड़े साइजों में भी मच्छरदानी मौजूद हैं।

बस स्टैंड पार्कों का पानी निकाला सड़क पर, राहगीर परेशान

झज्जर। लगातार हो रही बरसात से शहर के बस स्टैंड परिसर में बने पार्क व ग्रीन बेल्ट में जलभराव हो गया है। जलभराव के कारण जहां पौधों को नुकसान पहुंच रहा है, वहीं बस स्टैंड की दीवारें भी पानी की अधिकता से कमजोर हो रही हैं। कुछ दिन पहले कर्मचारियों ने पानी निकासी के लिए बस स्टैंड परिसर की दीवार में छेद कर बाहर की ओर पानी का रास्ता बनाया था। इससे पानी पिछले कई दिनों से सड़क पर फैल रहा है। जहां मुख्य गेट के सामने हर समय पानी भरा रहता है वहीं बस स्टैंड की वर्कशॉप से लेकर यह पानी एक शैक्षणिक संस्थान के सामने से होता हुआ राधा स्वामी कालोनी व भगत सिंह चौक तक जाने वाले रास्ते पर बहता रहता है। जिसके कारण तेज रफ्तार से गुजरने वाले वाहन राहगीरों पर पानी की बौछार कर देते हैं, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने जिला प्रशासन से पानी निकासी की समुचित व्यवस्था करने की मांग की है।

झज्जर। बस स्टैंड की चारदीवारी से वर्कशॉप की ओर निकलता पानी। फोटो : हरिभूमि

लैंड पूलिंग पर पंचायत कर बनाई रणनीति

- हाथ खड़े कर पंचायत में सर्वसम्मति से 6 प्रस्ताव पारित किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

रविवार को गांव लडरावण में खरखोदा और बहादुरगढ़ खंड के 11 गांवों की पंचायत संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले हुई। कामरेड हंसराज राणा के आह्वान पर आयोजित किसान पंचायत की अध्यक्षता उनके साथ ही सूरजमल, शमशेर सिंह, सतपाल कानोंदा व रामकुमार निलौठी ने संयुक्त रूप से की। अन्य राज्यों से निरस्त अवैधानिक लैंडपूलिंग के विरुद्ध हाथ खड़े कर पंचायत में सर्वसम्मति से 6 प्रस्ताव पारित किए गए। सभी प्रभावित गांव ग्रामपंचायत और ग्रामसभा प्रस्ताव पारित करेंगे। बहादुरगढ़ व खरखौदा के एसडीएम के माध्यम से राज्यपाल को पॉलिसी की वैधानिकता पर ज्ञापन भेजेंगे। पोर्टल के साथ ही एचएसआई आईडीसी प्रतिनिधियों का बहिष्कार करेंगे। उच्च न्यायालय में चुनौती देने व जनसंपर्क के लिए कमेटियां गठित कर दी। ग्रामसभा जमीनों के संरक्षण सहित समग्र एरिया ग्रीनबेल्ट घोषित करने के साथ 2 करोड़ प्रति एकड़ सर्किल रेट तय हो। पंचायत में यह बात भी उठी कि 5 वर्ष पूर्व दोनों जिलों के राजनेताओं ने डीलर्स के माध्यम से खरीदे गए बड़े भू-भाग का पूरा डाटा सार्वजनिक किया जाए। किसान नेता डॉ शमशेर ने कहा कि विपक्ष को भी इस मुद्दे पर मुखर होना चाहिए।

बहादुरगढ़। लडरावण में हुई पंचायत में लैंडपूलिंग पर चर्चा करते किसान।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जोगेंद्र छिकारा, ओमप्रकाश छिकारा, राज सिंह छिल्लर, विकेश दहिया, रामदिया गोपालपुर, ओमप्रकाश लाला निलौठी, पवन किडौली, मनीष, ओमकंवर रूहिल, पूर्व सरपंच शमशेर खत्री, रामकरण नंबरदार, ओमकंवर, समुद्र राणा, प्रदीप राजनीवाल, संजीव कानोंदा, मोहन खैरपुर, प्रदीप देशवाल, अनिल कुमार, ईश्वर मास्टर आदि ने लैंडपूलिंग पॉलिसी के विरोध में आंदोलन तेज करने पर सुझाव दिए।

सीबीएसई क्लस्टर में आपीएस ने अंडर 14 और 19 में वालीबॉल में जीते सिल्वर मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

आरपीएस विद्यालय ने एकबार फिर अपनी खेल प्रतिभा से जिले का मान बढ़ाया है। हाल ही में आयोजित सीबीएसई क्लस्टर वॉलीबॉल प्रतियोगिता में विद्यालय की अंडर-14 और अंडर-19 (आयु वर्ग) की टीमों ने सोनीपत में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल प्राप्त किया। दोनों ही वर्गों की टीमों ने प्रतियोगिता के दौरान उत्कृष्ट तालमेल, संघर्षशीलता और खेल भावना का परिचय दिया। इस उपलब्धि पर आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजीनियर मनीष राव ने बधाई दी। डिप्टी सीईओ कुनाल राव और प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने संयुक्त रूप से खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की, जबकि सीबीएसई के ज्वाइंट सेक्रेट्री विजय सिंह यादव ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

महेंद्रगढ़। विजेता आरपीएस की वालीबॉल टीम। फोटो : हरिभूमि

उपलब्धि से छात्रों को भी प्रेरणा मिलेगी

ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि इस उपलब्धि से विद्यालय के अन्य छात्रों को भी प्रेरणा मिलेगी और आने वाले समय में आरपीएस विद्यालय खेलों के क्षेत्र में और भी ऊंचाइयां हासिल करेगा। ग्रुप के सीईओ इंजी. मनीष राव ने कहा कि आज विद्यालय के बच्चे शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। खिलाड़ियों की लगन और कोचों के मार्गदर्शन का परिणाम रहा कि दोनों ही वर्गों की टीमें अंतिम दौर तक पहुंचीं।

वार्ड नंबर 7 में पानी की समस्या से हजारों लोग हो रहे प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

वार्ड 7 के पार्षद कपिल नागपाल ने जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों पर लापरवाही बरतने और समस्या का समाधान नहीं करने के आरोप लगाए हैं। मामले की शिकायत उपायुक्त सचिन गुप्ता को की गई है। जिसमें पार्षद का कहना है कि पिछले कुछ समय उनके वार्ड के पाड़ा मोहल्ला, तेज कालोनी, गुरुनानक पूरा, साईं दास कालोनी, अर्जुन गली, सलारा मोहल्ला, कृष्णा कालोनी, महावीर कालोनी में काले और गंदे पानी की सप्लाई की जा रही है। जिसके सेवन से लोग बीमार पड़ गए हैं। कई बार जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को अवगत करवाने के बाद भी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा। अधिकारी कार्य के प्रति गम्भीर नहीं हैं।

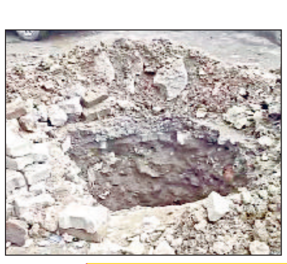

कार्रवाई की मांग उठाई

पिछले एक माह से शांत मई चौक के पास किल्ला मोहल्ले में बिल्कुल भी पानी नहीं आ रहा। किल्ले मोहल्ले में पानी की पाईप लाईन डाली जा रही है। पिछले 40 दिनों से जनस्वाथ्य विभाग के अधिकारी और ठेकेदार की मिलीभगत जनता के पैसे की बर्बादी हो रही है। जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा 45 दिन में केवल गड्ढे ही खुदवाए गए हैं। समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा। उन्होंने उपायुक्त से कार्रवाई की मांग की है।

रचनाकारों ने कविताएं सुनाकर बटोरी वाहवाही

- बैंक कॉलोनी स्थित काव्य सदन में काव्योत्सव का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

साहित्यिक संस्था निराला काव्य मंच द्वारा बैंक कॉलोनी स्थित काव्य सदन में काव्योत्सव का आयोजन किया गया। कलमवीर विचार मंच के स्थापना दिवस पर इस कार्यक्रम में कई शहरों के रचनाकारों ने भाग लिया। प्रतिभागी कवियों ने देश के वर्तमान परिदृश्य व सामाजिक पहलुओं पर आधारित हिंदी,हरियाणवी कविताएं सुनाकर वाहवाही बटोरी। लोक कवि जगबीर कौशिक के संयोजन में कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्यकार कृष्ण लाल गिरधर ने की। अर्चना झा की सरस्वती वंदना से शुरू कार्यक्रम का संचालन कवि कृष्ण गोपाल विद्यार्थी ने किया। डॉ. दलवंती सहरावत, डॉ. मंजीत भारतीय व सोनिका सवेरा आदि ने हिंदी में काव्य पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर मुकेश भोगल, राजेश शर्मा, वंदना सहरावत, अश्विनी पाराशर, पूजा वशिष्ट, हरिप्रसाद शर्मा, रजनीश कौशिक, रामनिवास शर्मा, राजबीर, राजबाला, नित्यानंद झा, सतीश शर्मा, पूजा व प्रिंस भारद्वाज आदि उपस्थित रहे।

पूर्व चेयरमैन मेहताब सिंह जजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल

संगठन का विस्तार, पच्चीस नए सदस्य शामिल

- जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

जन नायक जनता पार्टी ने एक बार फिर अपने संगठन का विस्तार करते हुए 25 नए सदस्यों को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल किया है। बीते दिनों राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर अजय सिंह चौटाला की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह अहम फैसला लिया गया। जिसमें जिले से पूर्व में रहे जिला पार्षद व दो बार के सरपंच, पूर्व चेयरमैन ब्लॉक समिति मेहताब सिंह को विशेष आमंत्रित सदस्य के तौर पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल किया गया है। जिला प्रवक्ता विकास पाराशर ने बताया कि मेहताब सिंह ने हमेशा लोगों के बीच रहकर उनकी समस्याओं का समाधान करते रहे है। जजपा ने हमेशा अपने कार्यकर्ताओं व जनता की भलाई के लिए कार्य किए व उनका हमेशा सम्मान किया है। वहीं मेहताब सिंह ने कहा कि पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेवारी सौंपी है, पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे।

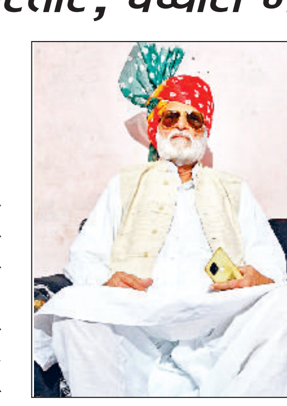

बाढ़ पीडितों लिए राहत सामग्री से भरे ट्रक पंजाब के लिए रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

बाढ़ की विभीषिका झेल रहे पंजाब वासियों के लिए रविवार को भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ ने राहत सामग्री से भरे ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पहले उन्होंने महर्षि दयानंद सरस्वती स्टेडियम हाल में बाढ़ पीड़ितों के लिए तैयार किए जा रहे किट बैग का अवलोकन किया। यह राहत सामग्री समाजसेवियों, दानवीरों, सामाजिक संगठनों ने प्रशासन के साथ सहयोग करते हुए पंजाब के अमृतसर के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए भेजी गई है। धनखड़ ने कहा कि पंजाब में आई बाढ़ की त्रासदी ने जन-जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। वहां के लोगों के लिए कुछ राहत सामग्री जिला मुख्यालय से भेजी जा रही है।

झज्जर। ट्रक को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए ओपी धनखड़।

ये रहे मौजूद

जिसमें मेडिकल किट, बाल्टी, तिरपाल, मच्छरदानी, आटा, दाल, चीनी, चावल, जूते, चप्पल, सरसों तेल, मसाले आदि के साथ प्रतिदिन उपयोग होने वाली विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्री उपलब्ध है। जिससे बाढ़ प्रभावित लोगों को प्रदान कर राहत पहुंचाने में मदद होगी। जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि, जिप चेयरमैन कप्तान बिरधाना, दिनेश सेवामूर्ति, संजय कबलाना, महेंद्र बंसल सहित अन्य भी मौजूद रहे।

पुरानी और बदरंग होती दुकान से जुड़ी है पुरानी यादें और अहसास

गुट्टी की चाय चार दशकों के बदलाव की गवाह

नेहरू कॉलेज के माहौल को अपनी आंखों से देखता, सुनता और जीता आ रहा गुट्टी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

हर शहर का एक कोना ऐसा होता है, जहां वक्त थम-सा जाता है। नेहरू कॉलेज के सामने भी वही कोना है। पुरानी और बदरंग होती दुकान पर उबलती चाय की महक और उस पर बैठे गुट्टी की मुस्कान। जो पिछले लगभग चार दशकों से कॉलेज के माहौल को अपनी आंखों से देखता, सुनता और जीता आ रहा है। गुट्टी के चेहरे की झुर्रियां और हाथों की कठोरता उसकी मेहनत और अनुभव की गवाही देती हैं। चार दशकों से गुट्टी यहां है। पीढ़ियां बदल गईं, शिक्षक रिटायर हो गए, विद्यार्थी अधिकारी बनकर दूर निकल गए, लेकिन गुट्टी वहीं है, उसी चाय के गिलास के साथ।

झज्जर। नेहरू कॉलेज के सामने चाय बनाते हुए गुट्टी। फोटो : हरिभूमि

बचपन से चाय तक

गुट्टी का असली नाम सतबीर अब शायद किसी को याद भी न हो। सब उसे गुट्टी के नाम से ही जानते हैं। गुट्टी की कहानी चाय की प्याली से शुरू होती है। बचपन में ही वह अपने बड़े भाई के साथ इस दुकान पर आ गया था। भाई ने कुछ वर्षों बाद यह काम छोड़ दिया लेकिन गुट्टी यहीं रह गया। चाय का चूल्हा, उबलती केतली और भाप उड़ाती चाय उसकी जिंदगी का हिस्सा बन गए। कॉलेज बदलता रहा, बैच दर बैच नए विद्यार्थी आते-जाते रहे पर गुट्टी वहीं का वहीं रहा। गुट्टी बताता है कि पहले वाले विद्यार्थी अलग थे...पहले के विद्यार्थी तगड़े होते थे। खेलों में भी आगे रहते थे। नेहरू कॉलेज की कुश्ती, कबड्डी और बास्केटबॉल की टीम दूर-दूर तक मशहूर थी। पढ़ाई और खेल दोनों का संतुलन था। चाय की दुकान बहसों का अड्डा थी। पढ़ाई, खेलकूद, राजनीति और समाज सब पर चर्चा होती थी। उन्होंने बताया कि वह याद करता है कि तब एक कप चाय की कीमत केवल 50 पैसे थी, फिर एक रुपया हुई। रोज कम से कम 250 कप बिकते। साथ में गरमा-गरम समोसे, हरी चटनी, बर्फी और गुलाब जामुन भी। खाने-पीने में कोई मिलावट नहीं थी। आलू अच्छे होते थे तो समोसे का स्वाद भी अच्छा होता था।

बदलता स्वाद, बदलता समय

लेकिन आज उसकी दुकान पर 50 कप चाय भी बिक जाए तो वह संतोष मान लेता है। कॉलेज के विभागों ने अपनी-अपनी केतली रख ली है, जिससे शिक्षक और विद्यार्थी वहीं चाय बना लेते हैं। वह उदास होकर बताता है कि आजकल के बच्चों को मोबाइल, सिगरेट और कोल्ड ड्रिंक ने जकड़ लिया है। अब न शिष्टाचार बचा है और न गुरुओं का सम्मान। पहले विद्यार्थी शिक्षक को देखते ही खड़े हो जाते थे, अब सामने ही धुआं उड़ाते रहते हैं। उन्होंने बताया कि पुराने विद्यार्थी कहीं अफसर हैं तो कहीं बड़े उद्योगपति लेकिन जब वे इस रास्ते से गुजरते हैं तो गुट्टी की दुकान पर जरूर रुकते हैं। चाय पीते हैं, पुरानी बातें करते हैं और गुट्टी के साथ सेल्फी लेना नहीं भूलते। यही उसकी सबसे बड़ी कमाई है।

खबर संक्षेप

शिविर में एक महिला सहित 72 युवाओं ने किया रक्तदान

झज्जर । क्षेत्र के गांव धारौली में सामाजिक संस्था मां-मातृभूमि सेवा समिति द्वारा रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सन 1965 के भारत-पाक युद्ध में देश की रक्षा के लिए लड़ते हुए शहीद होने वाले लांस नायक हवा सिंह लांबा के सम्मान में आयोजित इस शिविर में जिला रेडक्रास सोसायटी से दीपक कुमार की टीम ने सेवाएं दीं। मां-मातृभूमि सेवा समिति के अध्यक्ष युद्धवीर सिंह लांबा ने बताया कि मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित नितेश भौरिया ने स्वयं रक्तदान करते हुए शिविर की शुरूआत की। गांव के शहीद हवा सिंह लांबा राजकीय माध्यमिक विद्यालय में लगाए गए इस शिविर में में एक महिला सहित 72 युवाओं ने रक्तदान किया। रक्तदाताओं में दीपा, डॉक्टर संदीप गुलिया, कर्मजीत, अश्वनी मल्हान, मास्टर धर्मवीर, प्रमोद जांगड़ा, अजीत कुमार रंगीला, संजय जाखड़, मास्टर हरबीर मल्हान, मास्टर प्रवीण व अन्य मौजूद रहे।

बहादुरगढ़ में धूमधाम से मनाया गया क्षमावाणी पर्व, रथयात्रा के किए दर्शन

सकल जैन समाज ने रथयात्रा के दौरान झांकियों से दिया भगवान महावीर का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सकल जैन समाज द्वारा रविवार को क्षमावाणी पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई। जिस में भगवान महावीर के जीवन पर आधारित झांकियां उनके संदेश देती नजर आई। समारोह के दौरान जैन अनुयाईयों ने जैन मंदिर में धर्म अनुसार पूजा अर्चना की। स्वर्ण रथ पर बैठने के लिए जैन समाज में बोलियों की होड़ लग गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सीजीएसटी में कार्यरत अधिकारी अर्चित जैन व अति विशिष्टि अतिथि के रूप में नीरज जैन व कोमल जैन ने शिरकत की। अनाजमंडी स्थित पांडुशिला पर हुए कार्यक्रम में पूर्व विधायक नरेश कौशिक, चेयरपर्सन सरोज रमेश राठी व एसीपी दिनेश सांगवान ने भी शिरकत की। भाजपा नेता डॉ. पंकज जैन ने कहा कि भगवान महावीर के अहिंसा के मार्ग पर चलने की आज सबसे ज्यादा जरूरत है। परोपकार की भावना के साथ क्षमा करना एक आदर्श व्यक्तित्व का उदाहरण प्रस्तुत करना है। रथयात्रा जटवाड़ा मौहल्ला स्थित जैन मंदिर परिसर से शुरु होकर शहर के गांधी चौक, मेन बाजार, रेलवे रोड, काठमंडी से होती हुई अग्रवाल कालोनी स्थित महावीर जैन मंदिर और अनाज मंडी स्थित पांडुशिला पहुंची। कार्यक्रम में मंदिर संरक्षक मदन सैन जैन, पवन कुमार जैन, आनंद प्रकाश जैन, राकेश जैन, अरविंद जैन, नरेंद्र जैन, दीपक जैन, तरसेम जैन, संजय जैन, अमांशु जैन, सौरभ जैन, बिजेंद्र जैन, राजीव जैन, सुधीर जैन, मुनीष जैन, प्रधान सुनील जैन व विजय जैन आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़ । वार्षिक रथ यात्रा में भगवान महावीर के रथ को खींचते जैन धर्मावलंबी।

इस तरह लगी बोलियां

इस बार इंद्र की प्रथम बोली 3 लाख 11 हजार रुपए मदन सैन जैन के बेटे नवीन जैन व अनिल जैन ने लगाई। दूसरी बोली आशीष जैन ने 51 हजार एक रुपए की लगाई। तीसरी बोली राकेश कुमार जैन, निखिल जैन ने 21 हजार एक रुपए की लगाई। चौथी बोली ओमप्रकाश जैन, राजेश जैन ने 21 हजार एक रुपए की लगाई। पांचवीं बोली नरेंद्र जैन, हिमांशु जैन ने 15 हजार एक रुपए की लगाई।

मां भगवती जागरण के लिए चौकी स्थापित

झज्जर। युवा समाज समिति द्वारा भट्टी गेट में आगामी 30 सितंबर को मां भगवती के 38वें जागरण का आयोजन किया जाएगा। समिति सदस्य मोनू गुर्जर ने बताया कि जागरण के उपलक्ष्य में समिति सदस्यों ने शनिवार को भट्टी गेट में मां भगवती की चौकी की स्थापना की। श्रद्धालुओं व समिति सदस्यों द्वारा बेरी स्थित मां भीमेश्वरी मंदिर से पवित्र ज्योत लाकर यहां चौकी में स्थापित की है। यह अखंड ज्योति जागरण की रात्रि तक यहां चौकी में विराजमान रहेगी। समिति सदस्यों द्वारा चौकी की निगरानी के लिए प्रतिदिन अलग-अलग सदस्यों की ड्यूटी निर्धारित की जाती है।

चंद्रग्रहण के कारण श्रद्धालुओं के लिए बंद रहे मंदिरों के मुख्य द्वार

झज्जर । बाबा कांशीगिरी मंदिर में धार्मिक ग्रंथ पढ़कर सर्व मंगल की कामना करते हुए पुजारी पवन कौशिक।

- ग्रहण के दौरान पूजा पाठ, भोजन और सोने पर पड़ता है प्रभाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

भाद्रपद पूर्णिमा की रात को साल का दूसरा पूर्ण चंद्र ग्रहण लग रहा है। यह चंद्र ग्रहण भारत में भी दर्शनीय है, इसलिए सूतक काल भी मान्य होगा। सूतक काल लगने पर भगवान के दर्शन नहीं किए जाते हैं न ही पूजा पाठ के कार्य किए जाते हैं। शहर के मंदिरों में चंद्र ग्रहण के कारण दोपहर बाद धार्मिक कार्य नही किए जा सके। मान्यतानुसार ग्रहण के दौरान श्रद्धालुओं ने अपने घरों में तथा पुजारियों ने मंदिरों में मौन अवस्था में रहकर मंत्र जाप किया। ग्रहण के कारण दोपहर बाद शहर के मंदिरों के मुख्य द्वार बंद रहे।

बाबा कांशी गिरी मंदिर के पुजारी पवन कौशिक ने बताया कि हिंदू धर्म में ग्रहण को लेकर कुछ परंपराएं प्राचीन समय से चली आ रही है। आज से पितृ पक्ष की भी शुरुआत हो चुकी है जो कि बहुत ही दुर्लभ संयोग माना जा रहा है। ग्रहण के दौरान पूजा पाठ, भोजन और सोने पर भी इसका असर पड़ता है। इन्हीं परंपराओं में से एक परंपरा है मंदिरों के द्वार बंद किए जाना। शास्त्रों में बताया गया है कि इस अवधि के दौरान मानसिक तौर पर पूजा-पाठ और मंत्रों का जाप करना विशेष रूप से फलदायी होता है। चंद्र ग्रहण का सूतक नौ घंटे पहले ही लग गया है। जिसके कारण सूतक में मंदिरों के मुख्य द्वार बंद रहे और मंदिरों के द्वार ग्रहण समाप्त होने के बाद सोमवार सुबह साफ-सफाई और शुद्धिकरण के बाद ही खोले जाएंगे।

संपन्न हुआ चार दिवसीय प्राकृतिक आहार शैली कैंप

प्राकृतिक आहार दिया, पत्तियों का जूस पिलाकर उपवास करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सेक्टर-2 सेवाकेंद्र में आयोजित न्यू डायट सिस्टम कैंप का रविवार को समापन हुआ। कैंप में मुख्य वक्ता के तौर पर सिरसा से आए बीके विशाल ने प्राकृतिक आहार शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।चार दिन तक सभी को सेवाकेंद्र पर ही केवल प्राकृतिक आहार ही दिया गया। हरी पत्तियों का जूस पिलाकर उपवास करवाया गया। बहादुरगढ़ संस्था प्रभारी अंजलि दीदी ने बीके विशाल का धन्यवाद करते हुए कहा कि भोजन को पकाकर खाने से उसके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं।

बहादुरगढ़ । रविवार को कैंप के समापन पर मौजूद ब्रह्माकुमारियां। फोटो हरिभूमि

बीके विशाल ने बताया कि आज मनुष्य घातक बीमारियों की चपेट में आता जा रहा है।

प्राकृतिक आहार शैली से हम घातक रोगों का उपचार कर सकते हैं। उन्होंने अपने चार दिन के सेमिनार में तीन मुख्य विधियों से सभी को अवगत कराया। उपवास, प्राकृतिक आहार और एनिमा द्वारा हम स्वयं ही अपनी बीमारियों का इलाज कर सकते हैं। बीके विनीता दीदी, बीके रेणु दीदी व बीके अमृता दीदी आदि ने भी इस प्राकृतिक आहार शैली अपनाने की

8 से 10 तक गांवों का दौरा करेंगे आदित्य देवीलाल

बहादुरगढ़। रोहतक में ताऊ देवीलाल जयंती के अवसर पर 25 सितंबर को होने वाली सम्मान दिवस महारैली का न्यौता देने के लिए इनेलो विधायक दल के नेता अदित्य देवीलाल चौटाला 8 से 10 सितंबर तक बहादुरगढ़ के ग्रामीण इलाके का दौरा करेंगे। इनेलो के जिला मिडिया प्रभारी एडवोकेट विपिन प्रधान ने बताया कि अदित्य देवीलाल इस दौरान ग्रामीणों से सीधे मिलकर लोगों को महारैली में शामिल होने का न्यौता देंगे।

युगल ने रजत, तान्या व तनुज ने जीते कांस्य

- यूपी के इटावा में 3 से 7 सितंबर को हुई थी प्रतियोगिता

बहादुरगढ़ । पदक विजेता व प्रतिभागी ताइक्वांडो खिलाड़ी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव दरियापुर के रणबीर सिंह मॉडल स्कूल के खिलाड़ियों ने यूपी के इटावा में 3 से 7 सितंबर तक हुई सीबीएसई राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में 9 देशों के सीबीएसई स्कूलों के लगभग 1200 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

रणबीर सिंह मॉडल स्कूल के युगल ने अंडर-17 आयु वर्ग के 38-41 किलोग्राम भारवर्ग में रजत पदक और तान्या ने 38-42 किलोग्राम भारवर्ग में कांस्य पदक जीता। तनुज ने अंडर-14 आयुवर्ग के 25-27 किलो भारवर्ग में कांस्य पदक हासिल किया।

कोच विशाल चतुर्भुज और शिवानी के साथ विद्यालय लौटने पर चेयरमैन होशियार सिंह गुलिया व प्रिंसिपल किरण वर्मा ने विजेता खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत किया।

कुलदीप बने बैरागी समाज के प्रधान, रामनिवास होंगे संरक्षक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार को स्थानीय संत शिरोमणि रामदास आश्रम में बैरागी समाज की कार्यकारिणी कमेटी का गठन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बैरागी सभा के प्रदेशाध्यक्ष शिव कुमार बैरागी ने की। बैठक में समाज के लोगों द्वारा समाज की उन्नति, उत्थान और भाईचारे को मजबूत करने के उद्देश्य से विभिन्न मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान अपने संबोधन में शिव कुमार बैरागी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से समाज में एकता, समरसता और जागरुकता की भावना को बल मिलता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के लगभग 21 जिलों में बैरागी समाज की कार्यकारिणी समितियों का गठन किया गया है, ताकि समाज की समस्याओं को शासन-प्रशासन के समक्ष प्रभावी ढंग से रखा जा सके। इसके बाद सर्वसम्मति से कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव किया गया। नव गठित कार्यकारिणी में कुलदीप सिंह बैरागी को जिला प्रधान चुना गया। इसके अलावा रामनिवास बैरागी को संरक्षक, अत्तर सिंह को वरिष्ठ उपप्रधान, कर्मबीर सिंह व संदीप को उपप्रधान, राकेश को महासचिव, भूपेंद्र स्वामी को सचिव, आजाद सिंह डागर को प्रेस प्रवक्ता, धर्मवीर सिंह को कोषाध्यक्ष, रोहतास को सह मीडिया प्रभारी तथा प्रवीण व सतपाल बैरागी को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। इस मौके पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं वरिष्ठ उपप्रधान कृष्ण पावटी, संरक्षक सतपाल बैरागी, वसंत बैरागी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर । कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नवगठित कार्यकारिणी पदाधिकारी। फोटो हरिभूमि

बच्चों ने रामायण आधारित परीक्षा दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रविवार को सनातन रक्षा दल द्वारा भगवान परशुराम मंदिर में बाल्मीकि रामायण आधारित परीक्षा आयोजित की गई। तीन आयुवर्ग के बच्चों को अलग-अलग प्रश्न पत्र दिए गए। परीक्षा में 120 प्रश्न पूछे गए बच्चों ने प्रश्नों के उत्तर ओएमआर शीट पर दिए।

परीक्षा से पहले भगवान श्री राम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित माला और पुष्प अर्पित किए गए। आयोजकों के साथ अभिभावकों ने भी भगवान राम का उद्घोष किया। सनातन रक्षा दल के नागेंद्र लाकड़ा, अश्वनी बराही, सुशील भारद्वाज, कांता दलाल, राकेश शर्मा, नरेश राठी, पूजा, रितु, चिंकी, हरीश, पंकज और मंदिर समिति अध्यक्ष राजेश शर्मा भी उपस्थित रहे। अभिभावकों ने बहादुरगढ़ में नई पहल का स्वागत किया। प्रतिभागी विवान ने एक कविता सुनाकर सभी का मन मोह लिया। सनातन रक्षा दल द्वारा प्लास्टिक पर अंकुश लगाने के इरादे से इस दौरान कपड़े के थैले भी वितरित किए गए। अभिभावकों से परिचर्चा एवं सुझाव भी लिए गए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

आर्य समाज के नियमों को जीवन में अपनाकर स्वयं को चरित्रवान बनाएं देश के युवा : वालिया

ब्रह्मचारी इंद्रजीत ने वैदिक मंत्रोच्चार कर यज्ञ संपन्न करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

आर्य समाज झज्जर द्वारा रविवार को मासिक वैदिक यज्ञ व सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक यज्ञ से हुआ। जिसमें डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल के प्राचार्य पंकज वालिया ने बतौर मुख्य यजमान शिरकत की। ब्रह्मचारी इंद्रजीत ने वैदिक मंत्रोच्चार कर यज्ञ संपन्न करवाया। यज्ञ में जम्मू, पंजाब सहित अन्य क्षेत्रों में बाढ़ से हो रही तबाही का शिकार हो रहे आमजन के कुशल क्षेम की कामना करते हुए आहुतियां भी डाली गई। इस दौरान अपने संबोधन में मुख्य यजमान पंकज वालिया ने कहा कि किसी भी मनुष्य की पहचान उसके चित्र से नहीं उसके चरित्र से होती है। व्यक्ति के श्रेष्ठ चरित्र निर्माण में आर्य समाज के दस नियम बड़े सहायक है। उन्होंने कहा कि आर्य समाज की इन शिक्षाओं को हर व्यक्ति को और विशेष तौर पर नवयुवकों को अपने जीवन का आदर्श बनाना चाहिए ताकि इन नियमों पर चलते हुए एक स्वस्थ और मजबूत समाज का निर्माण हो सके। उधर, कार्यक्रम के दूसरे सत्र में भजन सत्संग हुआ। जिसकी अध्यक्षता आर्य जयभगवान और ठेकेदार सुरेंद्र सिंह ने की। इस सत्र में आर्य विदुषी आचार्य अरविंद गार्गी ने रविवार से ही शुरू हुए श्राद्ध पितृ पक्ष पर होने वाली भ्रांतियों का कविता के माध्यम से निवारण किया। गार्गी ने वर्तमान परिवेश में बुजुर्गों की दयनीय स्थिति पर भी कविता के माध्यम से चर्चा की। वहीं आर्य जितेंद्र बरानी, आचार्य शतकरतु, सुमित्रा आर्य ने भी अपने भजनों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर लाला प्रकाशवीर, राजीव आर्य, संदीप आर्य, रमेश सैनी, लाला राम अवतार, डॉक्टर गौतम प्रकाश, सरदार गुरमीत सिंह, दीपक सैनी, दलीप आर्य, आत्मप्रकाश चुग सहित काफी संख्या में आर्यजन मौजूद रहे।

झज्जर । प्राचार्य को आर्य साहित्य भेंट कर सम्मानित करते हुए आर्यजन। फोटो हरिभूमि

डॉ. मालविका बंसल को किया सम्मानित

बहादुरगढ़ । डॉ. मालविका बंसल को सम्मानित करते सुरेश अहलावत व अन्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

नागरिक अस्पताल में सेवारत नेत्र रोग चिकित्सक डॉ. मालविका बंसल को उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सुरेश अहलावत व जयबीर भारद्वाज समेत अन्य लोगों ने डॉ. मालविका की सेवाओं की सराहना की।

सेक्टर-6 निवासी सुरेश अहलावत ने बताया कि डॉ. मालिवका द्वारा लगातार कमजोर वर्ग को लाभान्वित किया जा रहा है। इस अवसर पर मौजूद लोगों ने डॉ. बंसल की सेवाओं की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। इसके साथ ही जरूरतमंदों के लिए 10 दर्जन काले चश्मे भी उन्हें भेंट किए गए।

आंखों की देखभाल जरूरी : डॉ. मालविका बंसल ने कहा कि आंखों की देखभाल हर व्यक्ति के लिए जरूरी है और नियमित जांच के साथ-साथ समय पर इलाज से दृष्टि संबंधी समस्याओं से बचा जा सकता है।